जीत उसी की जो आत्मविश्वास से भरपूर होता - सुशील दोशी

इन्दौर (ज्ञान शिखर)। स्वस्थ विचार सुंदर संसार परियोजना के अंतर्गत खेल में रूचि रखने वालों के लिये ब्रह्माकुमारीज़ ओमशांति भवन ज्ञान शिखर काम्पलेक्स में आाोजित अनुभूति शिविर में प्रखात क्रिकेट कमेन्ट्रेटर सुशील दोशी ने कहा कि अपनी योग्यता पर भरोसा रखने से आत्मविश्वास बढ़ता है। जीत उसी की होती है जो डरता नहीं है।यदि हम हारने के भय से भयभीत हो जाते हैं तो ाह भय पराजित होने से भी जादा नुकसान कारक है। आत्मविश्वास से भरपूर खिलाड़ी अपनी आलोचनाओं से डरता नहीं है। वह अपनी प्रतिभा के बल से श्रेष्ठ प्रदर्शन करता है।परिचर्चा में "खेलों मे सफलता की चाबी आत्मविश्वास" विषय पर बोलते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के खेल प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.शशिप्रभा बहन ने कहा कि खिलाड़ियों में सफलता के लिये आत्म-स्वमान और स्व प्रेरणा बहुत ही जरुरी है। उन्होंने कहा कि मैं श्रेष्ठ खिलाडी हूँ, मैं विजयी हूँ, यह स्वमान यदि खिलाड़ी में रहता है तो वह अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन कर पाता है। राजाोग मेडिटेशन से खिलाड़ियों में मानसिक दृढ़ता आती है तथा एकाग्रता में वृद्धि होती है।क्षेत्रीए संचालक ब्र.कु.ओमप्रकाश भाई जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि संसार एक खेल है एवं हर मनुष्य इस खेल का खिलाड़ी है।

जीवन रूपी खेल में कभी भी खुद के मन से परास्त न हो क्योंकि कहा जाता है - मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। खेलों में जीत हार तो होती ही रहती है।कार्यक्रम के प्रारंभ में अपना मुख्य वक्तव्य देते हुये स्पोर्टस मोटीवेटर कोच एवं ब्रह्माकुमारीज़ के खेल प्रभाग के मुख्यालय समन्वयक ब्र.कु.जगबीर सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों को शारीरिक दक्षता के साथ-साथ अपने जीवन का लक्ष्य भी निर्धारित करना जरुरी है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने वायाम के साथ-साथ मेडिटेशन को भी अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि धान से आत्मविश्वास मे वृद्धि होती है।कार्यक्रम में इंदौर जिला ओलम्पिक ऐसोशिएशन के सचिव ओम

जबलपुर (कटंगा)। मातेश्वरी जी स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए ब्र.कु.विमला साथ में अनंत कुमार दवे मुख्य अभियंता (पूर्व) एवं विजय तिवारी चीफ इंजीनीयर

रतलाम। प्रतिभा महिला विकास समिति द्वारा आयोजित बेटी बचाओ कार्यक्रम में संकल्प पत्र प्रदर्शित करते पूर्व महापौर आशा मौर्य, गायत्री परिवार अध्यक्ष सत्यनारायण गौड़ एवं ब्र.कु. संगीता, ब्र.कु.आरती

मन्दसौर। सोनिक बायोकेम इन्डस्ट्रीज़ में तनाव प्रबंधन कार्यक्रम के पश्चात ग्रुप फोटो में प्रतिभागी स्टाफ के साथ ब्र.कु.समिता

"उज्जवल भारत के युवा जागृति" महोत्सव आयोजित

समस्याओं के प्रति अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रखें-प्रो.गिरिश

दुर्ग (छ.ग.)। समस्याओं के प्रति अपने नजरिये व दृष्टिकोण में परिवर्तन करना ही सकारात्मक चिन्तन है। हमें यह अपेक्षा नहीं रखना चाहिए कि यह ठीक हो जाए, वह ठीक हो जाये बल्कि मुझे खुद ही अपना दृष्टिकोण बदलना होगा, स्वयं का परिवर्तन करना होगा और मुझे ही अपने मन का परिवर्तन करना होगा। अपनी सोच को परिवर्तन करने से सब कुछ परिवर्तन हो जायेगा और हमें अवश्य सफलता मिलेगी।ये प्रेरक विचार प्रो.ई.ही. गिरिश, मुम्बई के है जो ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग द्वारा आाोजित "उज्जवल भारत के युवा जागृति" विषयक युवा महोत्सव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छोटे से मन में अथाह व्यक्तित्व क्षमता है जिसे हम पहचान नहीं पाते। महोत्सव में आशीर्वचन देते हुए इंदौर जोन की क्षेत्रीए संचालिका ब्र.कु.कमला दीदीं ने कहा कि युवा शक्ति बहुत महान है इस शक्ति का ध्यान रखें। ाुवा प्रतीक है ऊर्जा और शक्ति का। जैसे नदी के जल को बांध बनाकर संग्रहित किया जाो तो उनका बहुत अच्छा सदुपयोग कर सकते हैं वैसे ही युवाशक्ति को सकारात्मक दिशा में लगाए तो कई रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ाुवा आयोग छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष सुनील पांडे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के विकास के लिए आध्यात्मिकता को अपनाये। वास्तव में मन यहां ही साफ हो सकता है। वसुधा को बदलने वाली संस्था यही है। यहां आकर ऐसी अनुभूति हुई कि हम स्कूल में बैठे हैं व टीचर हमें पढ़ा रहे हैं। यहां अध्ययन करने से सकारात्मक ऊर्जा का विकास होगा, मन की नियंत्रण शक्ति में विकास होगा। प्रदेश कांग्रेस के सचिव दीपक दुबे ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की इस तनाव भरी जिंदगी में ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यकम में सभी इस लक्ष्य से उपस्थित हुए हैं कि श्री गिरिश जी द्वारा यहां बताई जा रही बातों को उत्साह से जीवन में धारण करे। दुर्ग जिला युवा संगठन के संयोजक भ्राता दुबे ने बताया कि वर्तमान समय में युवा शक्ति उचित मार्गदर्शन के अभाव में पथभ्रष्ट हो रहा है। यह बहुत ही हर्ष एवं गर्व की बात है कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था ने भारत के युवाओं के लिए बहुत ही प्रशंशनीय कार्ययोजना बनाई है उसमें युवा चलकर देश को अपना अमूल्य योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम के शुभारंभ में ब्र.कु.युगरत्न चन्द्राकर के सुमधुर गीतों से व कुमारी मुस्कान ने मनभावन नृत्य की प्रस्तुति देकर अतिथियों का स्वागत किया। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र राजऋषि भवन की ब्र.कु.रीता बहन ने अतिथियों एवं युवा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है विश्व में जब भी परिवर्तन हुआ उसमें युवाओं का ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ब्र.कु.रूपाली बहन ने किया। इस महोत्सव में दुर्ग जिले के लगभग एक हजार से भी अधिक युवा प्रतिभागी सम्मिलित हुए।